Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

**कृषि अनुसंधान केन्द्र**

**स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,**

**बीकानेर - 334 006**

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

**डा. नरेन्द्र कुमार पारीक**
**तकनीकी अधिकारी**

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक 22.09.2017

**मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह**

अवधि 23 सितम्बर 2017 से 27 सितम्बर 2017 तक

**मौसमपूर्वानुमानः** भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

| मौसमकारक | | दिनांक | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 23.09.17 | 24.09.17 | 25.09.17 | 26.09.17 | 27.09.17 |
| 1. | वर्षा | **0** | **0** | **0** | **0** | **0** |
| 2. | आसमान में बादलो की स्थिति | बादल | आंशिक बादल | आंशिक बादल | आंशिक बादल | आंशिक बादल |
| 3. | तपमान में वृद्वि / कमी | | | | | |
| | अधिकतम | **40** | **39** | **39** | **38** | **38** |
| | न्यूनतम | **25** | **25** | **24** | **24** | **23** |
| 4. | वायुदिशा | दक्षिणी | दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी | पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी | दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी | पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी |
| 5. | सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत ) | | | | | |
| | अधिकतम | **81** | **84** | **85** | **86** | **87** |
| | न्यूनतम | **24** | **25** | **26** | **28** | **29** |
| 6. | औसत वायु गति {कि./घण्टा} | **5** | **5** | **3** | **2** | **4** |
| 7 | कुलवर्षा | **00.00** | | | | |

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,** कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन तथा रात के तापमान मे हल्की गिरावट होने, आपेक्षिक आर्द्रता के अधिक रहने के साथ-साथ वायु की औसत गति कम रहने तथा आसमान में बादल छाए रहने और वर्षा नहीं होने की संभावना है।**
- दिन के तापमान के लगभग 40 °C बने रहने की संभावना है जो कि पौधों और मिट्टी की सतह से नमी के ह्रास को बढ़ावा देती है . अतः संभव हो तो खरीफ फसलों विशेषकर मूंगफली की फसल में मलानी के लक्षण प्रकट होते ही सिंचाई अवश्य करें.
- यदि संभव हो तो बारानी फसलों यथा बाजरा, गवार, मोठ को सूखने से बचाने के लिए और दाने का वजन और गुणवत्ता बढाने के लिए एक जीवन रक्षक सिंचाई देवें.
- भविष्य के लिए पानी की प्रत्येक बूंद को बचाने का प्रयास करे।
- आने वाले दिनो में मौसम की परिस्थितियों के कारण खरीफ फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप होने की सम्भावना है अतः खेत में लगातार निगरानी रखे जिससे फसलों पर होने कीट एवं व्याधियों के प्रकोप का पता लग सके।
- दलहनी फसलों में पत्ती काटने वाले कीड़ों का प्रकोप होने पर क्यूनोल्फोस 2 मिली या मोनोक्रोटोफोस 1.5 मिली प्रति लीटर की दर से पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
- वर्तमान और आने वाले दिनो की मौसम की परिस्थितियों के कारण ग्वार की फसल में जीवाणु झुलसा रोग होने की सम्भावना है। किसानों को सलाह है कि रोग के लक्षण दिखाई देते ही 2.5 ग्राम स्ट्रेप्टो साइक्लिन के साथ 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 10 लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करे और आवश्यकता हो तो 15 दिन बाद दोहरावें ।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों मे रस चूसक कीटो से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रीड 3 मिली प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करे ।
- बरसीम की पहली कटाई से अधिक चारा उत्पादन लेने के लिए बरसीम के बीज के साथ चाइनीज सरसों या चारे वाली जई की क़िस्मों को मिलाकर बुवाई करें।
- पशुओं को अन्तः परजीवी नाशक दवाई पशुचिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित देवें।-